भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 809

दिनांक 07 फरवरी, 2023 के लिए प्रश्न

राष्ट्रीय पशुधन मिशन

809. श्री दिलेश्वर कामैत:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा राष्ट्रीय पशुधन मिशन, पशुपालन अवसंरचना विकास निधि, पशुधन स्वास्थ्य रोग नियंत्रण योजना और राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत बिहार में कुल कितने केंद्र स्थापित किए गए हैं; और

(ख) किसानों के हित के लिए ये योजनायें किस प्रकार राज्य/जिला-वार कार्य कर रही हैं?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री परशोत्तम रूपाला)

(क से ख) राष्ट्रीय पशुधन मिशन, पशुपालन अवसंरचना विकास निधि, पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण योजना तथा राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत किसी भी केन्द्र की स्थापना करने का प्रावधान नहीं है।

राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम) का उद्देश्य रोजगार सृजन, उद्यमिता विकास, प्रति पशु उत्पादकता में वृद्धि और इस प्रकार मांस, बकरी के दूध, अंडे और ऊन के उत्पादन में वृद्धि करना है। पिछले तीन वर्षों के दौरान एनएलएम के तहत राज्य को कोई निधियां जारी नहीं की गई हैं।

सरकार पशु रोगों के लिए रोगनिरोधी टीकाकरण पशु चिकित्सा सेवाओं की क्षमता निर्माण, रोग निगरानी और पशु चिकित्सा अवसरंचना को सुदृढ़ करके पशु स्वास्थ्य संबंधी जोखिम को कम करने के उद्देश्य से सभी राज्यों में केंद्रीय क्षेत्र की योजना पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एलएचडीसीपी) का कार्यान्वयन कर रही है। खुरपका और मुंहपका रोग (एफएमडी), ब्रुसेलोसिस, पेस्टे डेस पेटिट्स रूमिनेंट्स (पीपीआर) और क्लासिकल स्वाइन ज्वर (सीएसएफ) का नियंत्रण, प्रमुख सहायता प्राप्त कार्यकलाप हैं। इसके लिए निधियन का पैटर्न 100% केंद्रीय सहायता है। इसके अलावा राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों (एमवीयू) की स्थापना और सुदृढ़ीकरण के लिए सहायता दी जाती है; और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण, विदेशी, आकस्मिक और जूनोटिक पशु रोगों (एएससीएडी) के नियंत्रण के लिए राज्यों को सहायता दी जाती है। पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम/राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत बिहार राज्य में 2,01,95,218 पशुओं को ईयर-टैग किया गया है। राज्य में खुरपका और मुंहपका रोग (एफएमडी) के लिए टीकाकरण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। एफएमडी टीकाकरण के मौजूदा चक्र में दिनांक 31.01.2023 तक 1,89,84,982 पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है। जिलेवार विवरण अनुबंध-I में दिया गया है।

पशुपालन अवसंरचना विकास निधि के तहत संस्वीकृत परियोजनाओं को योजना के संबंधित विवरण के साथ अनुबंध-II में दिया गया है।

अनुबंध-I

बिहार में एफाएनडी के लिए टीकाकृत और ईयर टग किए गये पशुओं की संख्या (31 जनवरी, 2023 तक)

क्र.सं.	जिला	खुरपका और मुंहपका रोग टीकाकरण की संख्या	ईयर टैग किए गए पशुओं की संख्या
1	अररिया	8,65,300	8,53,498
2	अरवल	1,40,635	1,51,165
3	औरंगाबाद	4,42,367	5,62,581
4	बांका	7,15,950	7,54,022
5	बेगूसराय	4,88,917	5,02,986
6	भागलपुर	7,97,484	8,39,545
7	भोजपुर	4,82,362	5,04,023
8	बक्सर	3,37,339	3,50,316
9	दरभंगा	6,15,450	5,67,793
10	गया	7,37,837	8,74,960
11	गोपालगंज	2,62,371	2,95,742
12	जमुई	4,46,408	4,62,248
13	जहानाबाद	1,91,930	2,14,477
14	कैमूर (भभुआ)	4,37,691	4,49,800
15	कटिहार	6,71,890	7,12,714
16	खगड़िया	3,52,318	3,77,569
17	किशनगंज	5,83,216	5,84,831
18	लखीसराय	1,76,773	1,91,161
19	मधेपुरा	4,94,063	5,90,958
20	मधुबनी	8,28,187	9,27,828
21	मुंगेर	2,20,750	2,31,905
22	मुजफ्फरपुर	4,91,870	5,56,161
23	नालंदा	4,40,685	4,40,989
24	नवादा	4,56,415	4,77,129
25	पश्चिम चंपारण	5,61,480	5,98,429
26	पटना	6,86,749	7,20,676
27	पूर्वी चंपारण	5,94,477	6,71,436
28	पूर्णिया	9,87,304	8,38,903
29	रोहतास	6,13,288	6,23,676
30	सहरसा	5,72,250	5,92,342
31	समस्तीपुर	5,60,818	6,77,630
32	सारन	3,07,182	4,83,927
33	शेखपुरा	1,25,816	1,27,174
34	शिवहर	78,029	99,301
35	सीतामढ़ी	5,34,292	5,46,956
36	सिवान	4,24,613	4,63,577
37	सुपौल	8,70,400	8,52,300
38	वैशाली	3,90,076	4,24,490
कुल		**1,89,84,982**	**2,01,95,218**

अनुबंध-II

<u>बिहार में पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (एएचआईडीएफ) में संस्वीकृत परियोजनाएं</u>

संस्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	परियोजना की लागत (करोड़ रु.)	ऋण राशि (करोड़ रु.)
4	165.56	112.35

<u>बिहार में संस्वीकृत परियोजनाओं की सूची</u>

क्र.सं.	नाम	परियोजना लागत (करोड़ रु.)	ऋण राशि (करोड़ रु.)	जारी ब्याज सबवेंशन ((करोड़ रु.)	जिला
1	सुगुना फूड्स प्राइवेट लिमिटेड	10.66	8.00	0.15	मुजफ्फरपुर
2	एबिस एक्सपोर्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	100.00	75.00	0.19	मुजफ्फरपुर
3	सारण डेयरी प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	12.13	5.35	0.03	गोपालगंज
4	एबीजेड एग्रो फूड्स लिमिटेड	42.77	24.00	1.17	किशनगंज
कुल योग		**165.56**	**112.35**	**1.54**	-

पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (एएचआईडीएफ) एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है, जो 15000 करोड़ रुपये के कॉर्पस के साथ एक क्रेडिट लिंक्ड योजना है। इस योजना को दिनांक 24/06/2020 को अनुमोदित किया गया था जो व्यक्तिगत उद्यमियों, निजी कंपनियों, एमएसएमई, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और धारा 8 कंपनियों द्वारा (i) डेयरी प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन अवसरंचना, (ii) मांस प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन अवसरंचना, (iii) पशु चारा संयंत्र, (iv) नस्ल सुधार तकनीक और नस्ल वृद्धि फार्म (v) पशु अपशिष्ट से संपत्ति धन प्रबंधन (कृषि अपशिष्ट प्रबंधन) और (vi) पशु चिकित्सा टीके और औषधि निर्माण सुविधाओं की स्थापना के लिए निवेश को प्रोत्साहित करती है। पात्र संस्थाएं जो एएचआईडीएफ के तहत लाभ प्राप्त करना चाहती हैं, उन्हें अनुसूचित बैंकों या एनसीडीसी से ऋण लेना होता है। पात्र संस्थाएं 8 वर्ष की अवधि में या ऋण चुकौती के समय तक, जो भी पहले हो, 3% के ब्याज सबवेंशन के लिए पात्र हैं, जिसमें सावधि ऋण राशि की कोई सीमा नहीं है। इस योजना के तहत, सावधि ऋण परियोजना लागत का 90% तक हो सकता है। योजना के तहत पात्र एमएसएमई 25% क्रेडिट गारंटी कवरेज का लाभ उठा सकते हैं।

******